विषय-सूची

क्रम संख्या	**अध्याय**	*पृष्ठ संख्या*
1	आर्थिक संवृद्धि	1
2	भारत में आर्थिक आयोजन	13
3	कृषि	17
4	उद्योग	35
5	भारत के सेवा क्षेत्र	46
6	मुद्रास्फीति	50
7	भारतीय बीमा बाजार	59
8	मुद्रा बाज़ार	67
9	भारत में बैंकिंग क्षेत्र	69
10	कराधान	93
11	लोक वित्	107
12	भारत का बाह्य क्षेत्र	114
13	भारत में सुरक्षा बाजार	128
14	मानव विकास और सतत विकास	144
15	महत्वपूर्ण सूचकांक और रिपोर्ट	154
16	अर्थव्यवस्था की महत्वपूर्ण अवधारणाएँ	156

This is a Sample pdf
To Buy Notes WhatsApp on 9896160956

1. आर्थिक संवृद्धि

अर्थशास्त्र एक सामाजिक विज्ञान है जिसके अंतर्गत वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन, वितरण और उपयोग का अध्ययन किया जाता है।

समष्टि अर्थशास्त्र:	इसके अंतर्गत संपूर्ण अर्थव्यवस्था (उत्पादन, उपभोग, बचत और निवेश) और इसको प्रभावित करने वाले सभी कारकों का विश्लेषण किया जाता है, जिसमें संसाधनों की बेरोजगारी (श्रम, पूंजी और भूमि), मुद्रास्फीति, आर्थिक वृद्धि और इन नीतियों (मौद्रिक) से संबंधित सार्वजनिक नीतियां भी शामिल हैं (जैसे कि राजकोषीय और अन्य नीतियां)।
व्यष्टि अर्थशास्त्र:	इसके अंतर्गत अर्थव्यवस्था के व्यक्तिगत अवयव का अध्ययन किया जाता है जैसे कि परिवार, कोई विशेष कम्पनी या श्रमिक आदि।

अर्थव्यवस्था के प्रकार

पारंपरिक अर्थव्यवस्था	• पारंपरिक अर्थव्यवस्था प्रणाली में वस्तु विनिमय प्रणाली का उपयोग किया जाता है तथा इसमें मुद्रा या धन की कोई अवधारणा नहीं होती है। • इस तरह की अर्थव्यवस्थाओं का यह मानना है कि जितनी जरूरत है उतना ही उत्पादन किया जाए। उन्हें किसी भी बाजार विशेष का उत्पादन करने की कोई आवश्यकता नहीं है।
बाजार अर्थव्यवस्था	• इसमें सरकार या किसी भी नियंत्रण शक्ति का कोई दखल या हस्तक्षेप नहीं है। • पूरी अर्थव्यवस्था, अर्थव्यवस्था के प्रतिभागियों और मांग और आपूर्ति के कानूनों द्वारा निर्धारित की जाती है। • उदाहरण - संयुक्त राज्य अमेरिका और हांगकांग।
कमांड अर्थव्यवस्था/योजनाबद्ध अर्थव्यवस्था	• इस आर्थिक प्रणाली में एक केंद्रीकृत शक्ति होती है, जो ज्यादातर मामलों में सरकार होती है। • ऐसी अर्थव्यवस्थाओं को योजनाबद्ध अर्थव्यवस्थाओं के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि सरकार अर्थव्यवस्था के सभी योजना का निर्माण करती है, मुफ्त बाजार द्वारा कुछ भी तय नहीं किया जाता है। • उदाहरण - क्यूबा और चीन।
मिश्रित अर्थव्यवस्था	• यह कमांड अर्थव्यवस्था और मुक्त बाजार अर्थव्यवस्था का एक उचित समन्वय है। • यह अर्थव्यवस्था सरकार के हस्तक्षेप से मुक्त होता है। परन्तु जब भी सरकार को आवश्यक महसूस होती है तो वह बाजार को विनियमित कर सकती है साथ ही सरकार अर्थव्यवस्था के विशिष्ट संवेदनशील क्षेत्रों जैसे परिवहन, सार्वजनिक सेवाओं, रक्षा आदि को भी विनियमित और देखरेख करती है। • उदाहरण - भारत और फ्रांस

This is a Sample pdf
To Buy Notes WhatsApp on 9896160956

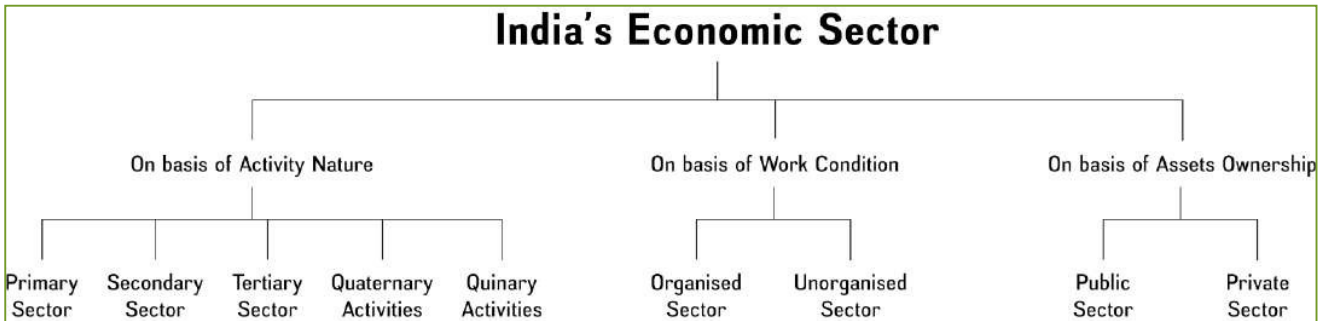

अर्थव्यवस्था के क्षेत्र

अर्थव्यवस्था की आर्थिक गतिविधियों के आधार पर इसे तीन भागों में बांटा गया है:-

प्राथमिक क्षेत्र	• इसके अंतर्गत अर्थव्यवस्था के प्राकृतिक क्षेत्रों का लेखांकन किया जाता है और इसके अंतर्गत निम्न क्षेत्रों को सम्मिलित किया गया है जैसे - ▪ कृषि वानिकी ▪ मत्स्यन (मछली पकड़ना) ▪ खनन (ऊर्ध्वाधर खुदाई एवं उत्खनन (क्षैतिक खुदाई) • प्राथमिक गतिविधियों में लगे लोगों को उनके काम के बाहरी प्रकृति के आधार पर रेड-कॉलर कार्यकर्ता कहा जाता है।	
द्वितीयक क्षेत्र *(विनिर्माण)*	• अर्थव्यवस्था का वह क्षेत्र जो प्राथमिक क्षेत्र के उत्पादों को अपनी गतिविधियों में कच्चे माल (*Raw Material*) की तरह उपयोग करता है। इस क्षेत्रक के अंतर्गत मुख्यतः अर्थव्यवस्था की विनिर्मित वस्तुओं के उत्पादन का लेखांकन किया जाता है। यह प्राथमिक क्षेत्र के उत्पादों को एक नए उत्पाद के रूप में तैयार करता है। • द्वितीयक क्षेत्र गतिविधियों में लगे लोगों को ब्लू कॉलर कार्यकर्ता कहा जाता है।	
तृतीयक क्षेत्र (सेवा क्षेत्र)	• यह क्षेत्र अर्थव्यवस्था के प्राथमिक और द्वितीयक क्षेत्र को अपनी उपयोगी सेवा प्रदान करता है। तृतीयक क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों से माल का उत्पादन नहीं होता, लेकिन वे विनिर्माण की प्रक्रिया और उपभोक्ताओं तक पहुंचने में सहायता प्रदान करती हैं। • इस क्षेत्र की गतिविधियों को व्हाइट कॉलर कहा जाता है। • पिंक कॉलर कार्यकर्ता वह होते है जिसे पारंपरिक रूप से महिलाओं का काम माने जाने वाले काम के लिए रखा जाता है। जैसे बेबी सिटर, फूलवाला, डे केयर वर्कर, नर्स आदि। • इस क्षेत्र में उन सभी आर्थिक गतिविधियों को शामिल किया गया है जहाँ विभिन्न 'सेवाओं' का उत्पादन किया जाता है। जैसे खुदरा क्षेत्र, पर्यटन, बैंकिंग, चिकित्सा और स्वास्थ्य देखभाल सेवाएँ आदि ।	
	चतुर्धातुक क्षेत्र (Quaternary Activities): *(ज्ञान आधारित)*	• चतुर्धातुक क्षेत्र अर्थव्यवस्था के ज्ञान-आधारित भाग का वर्णन करता है, जिसमें आमतौर पर सूचना-प्रौद्योगिकी जैसे ज्ञान-उन्मुख आर्थिक क्षेत्र को शामिल किया गया है। • चतुर्धातुक क्षेत्र अर्थव्यवस्था का बौद्धिक पहलू है। यह ऐसी प्रक्रिया है जो उद्यमियों को अर्थव्यवस्था में दी जाने वाली सेवाओं की गुणवत्ता को नया करने और सुधारने में सक्षम बनाती है।
	क्रिया संबंधी गतिविधियाँ	• इस श्रेणी को गोल्ड कॉलर' व्यवसायों क रूप म संदभित किया जाता है , वे तृतीयक क्षेत्र के एक और उपखंड का प्रतिनिधित्व करते

To Buy Notes This is a Sample pdf WhatsApp on 9896160956